आर्कियोप्टेरिक्स नहीं तो पहला पक्षी कौन?

करीब 150 साल पहले *आर्कियोप्टेरिक्स* का जीवाश्म मिला था। इसके सूक्ष्म विश्लेषण के बाद जीव वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि यही डायनासौर और पक्षियों के बीच की कड़ी है। गौरतलब है कि जीव वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि पक्षियों का प्रादुर्भाव डायनासौर से हुआ था। *आर्कियोप्टेरिक्स* के जीवाश्म में डायनासौर और पक्षियों, दोनों के लक्षण पाए गए थे। मगर अब लगता है कि डेढ़ सौ साल से हासिल प्रथम पक्षी का यह ताज *आर्कियोप्टेरिक्स* से छिनने को है।

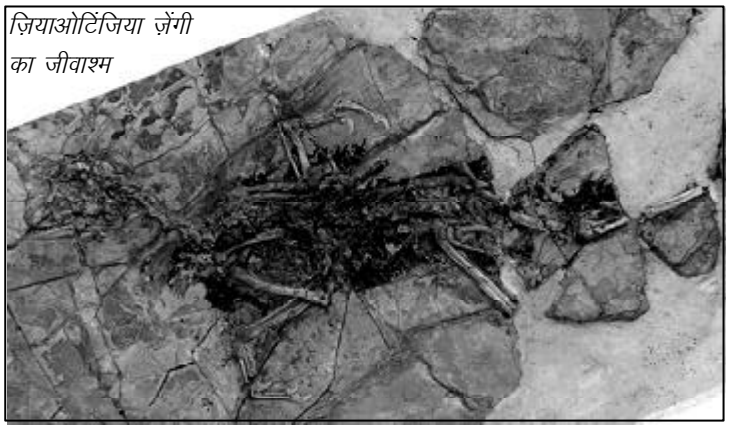

ज़ियाओटिंजिया ज़ेंगी का जीवाश्म

आर्कियोप्टेरिक्स को विस्थापित करने का काम चीन से प्राप्त एक अन्य जीवाश्म ने किया है। हाल ही में यह जीवाश्म शान्डोंग तिआन्यू प्राकृतिक संग्रहालय ने प्राप्त किया है। यह जीवाश्म लिआओनिंग प्रांत की लगभग 16 करोड़ वर्ष पुरानी चट्टान से निकाला गया था। इसके शारीरिक गुणधर्म *आर्कियोप्टेरिक्स* से काफी मेल खाते हैं। मगर बेजिंग के कशेरुकी पुराजीव विज्ञान संस्थान के ज़िंग ज़ू ने पाया कि नया जीवाश्म वर्तमान पक्षियों से इतना अलग है कि इसे थेरोपोड डायनासौर के कुनबे में रखा जाना चाहिए। यानी यह मूलतः डायनासौर है मगर आर्कियोप्टेरिक्स के साथ समानता के आधार पर कहा जा सकता है कि यह प्रथम पक्षी भी है। जीव वैज्ञानिकों ने इस नए जीवाश्म को *ज़ियाओटिंजिया ज़ेंगी* नाम दिया है।

जीवाश्म विश्लेषण के आधार पर ज़ू का मत है कि आर्कियोप्टेरिक्स को पक्षी नहीं माना जा सकता। अन्य जीव वैज्ञानिकों का मत है कि यह संभव है कि उड़ान का विकास डायनासौर में कई बार हुआ हो। वैसे यह नया जीवाश्म वर्गीकरण विदों के लिए शायद सिरदर्द साबित हो। ***(स्रोत फीचर्स)***